Series : JBB/3 **SET-1**

Code No. 3/3/1

CBSE परीक्षा प्रश्न-पत्र 2020

विषय–हिंदी

कक्षा–X (कोर्स-A)

(हल सहित)

निर्धारित समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए–

(*i*) प्रश्न-पत्र **चार खंडों** में विभाजित किया गया है– क, ख, ग, घ। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **खंड-क** में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित है।

(*iii*) **खंड-ख** में प्रश्न संख्या **2** से **5** तक प्रश्न व्याकरण के हैं।

(*iv*) **खंड-ग** में प्रश्न संख्या **6** से **10** तक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से हैं।

(*v*) **खंड-घ** में प्रश्न संख्या **11** से **13** तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।

(*vi*) यथासंभव प्रत्येक **खंड** के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(*vii*) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होना चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(*viii*) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि एक-एक अंक वाले 1 प्रश्न में, दो-दो अंकों वाले 2 प्रश्नों में, तीन अंकों वाले 1 प्रश्न में, पाँच-पाँच अंकों वालें दोनों प्रश्नों में और दस अंक वाले 1 प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(*ix*) इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–*** 10

किसी भी देश या समाज की उन्नति का आधार-स्तंभ वहाँ के निवासियों की सच्चरित्रता, परिश्रमशीलता तथा उनके नैतिक मूल्य होते हैं। हमारे देश ने ही विश्व को मानवता, नैतिकता और सदाचार का पाठ पढ़ाया था। पर आज पूरे देश में चारों ओर स्वार्थ, लाभ और बेईमानी का बोलबाला है। इसी कारण आज भ्रष्टाचार रूपी रोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक क्षेत्रों में एक असाध्य रोग की भाँति अपनी जड़ें जमा चुका है। मर्यादा से हटकर स्वार्थपूर्ण दूषित आचरण ही भ्रष्टाचार कहलाता है। स्वार्थ लिप्सा भ्रष्टाचार की जननी है और भौतिक ऐश्वर्य इसका जनक है। आज देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। भुक्त-भोगियों का कहना है कि कोई भी विभाग इससे अछूता नहीं रहा है। भाई-भतीजावाद, मिलावट, अनुचित ढंग से मुनाफाखोरी करना, चोरबाजारी, सरकारी साधनों का अनुचित प्रयोग भ्रष्टाचार के प्रमुख लक्षण हैं। इसके कारण आज हमारे समाज का पतन होता जा रहा है। इसकी जड़ें हमारे देश को खोखला करती जा रही है। कठोर कानूनी नियंत्रण एवं सच्चरित्रता के प्रतिबद्धता द्वारा ही इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

(क) *किसी भी देश या समाज की उन्नति का आधार क्या होता है?* 2

(ख) *भ्रष्टाचार का क्या आशय है और उसके बढ़ने के क्या कारण हैं?* 2

(ग) *भ्रष्टाचार से समाज कैसे प्रभावित होता है?* 2

(घ) *इस समस्या का समाधान कैसे ~~हो~~ सकता है?* 2

(ङ) *भ्रष्टाचार के माता-पिता कौन है?* 1

(च) *उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।* 1

उत्तर–

(क) किसी भी देश या समाज की उन्नति का आधार होता है– वहाँ के निवासियों का दृढ़ चरित्र, परिश्रम तथा उनके नैतिक मूल्य। क्यों– इन्हीं से समाज की उन्नति होती है।

(ख) स्वार्थ के कारण अमर्यादित और दूषित आचरण करना भ्रष्टाचार कहलाता है। आज लोगों में स्वार्थ-लिप्सा और भौतिक ऐश्वर्य को पाने की लालसा जग रही है। इस कारण भ्रष्टाचार नित्य बढ़ रहा है।

(ग) आज भ्रष्टाचार समाज के हर विभाग में फैल गया है। समाज, राजनीति और धर्म–सभी में भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

(घ) इस समस्या का समाधान कठोर कानूनी नियंत्रण और सच्चरित्र व्यवहार से ही संभव है।

(ङ) भ्रष्टाचार की माता है– स्वार्थ-लिप्सा और पिता है- भौतिक ऐश्वर्य।

(च) भ्रष्टाचार : समस्या और समाधान।

खंड 'ख'

2. *निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–* 1×4 = 4

(क) *फ़िल्म शुरु होते ही दर्शक शांत हो गए।* (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) *जब मज़दूरों को बोनस नहीं मिला, तो वे हड़ताल पर चले गए।* (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) *अच्छी कविताएँ भविष्य के लिए कुछ संदेश भी देती हैं।* (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) *मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं।*
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर–

(क) फ़िल्म शुरु हुई और दर्शक शांत हो गए।

(ख) बोनस न मिलने पर मज़दूर हड़ताल पर चले गए।

(ग) अच्छी कविताएँ वे हैं जो भविष्य के लिए कुछ संदेश भी देती हैं।

(घ) जहाँ मूर्ति की आँखें थीं, वहाँ सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था।

3. *निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए–* 1 × 4 = 4

(क) *उद्धव ने ज्ञान का उपदेश दिया।* (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) *हरे-भरे पेड़ों को नहीं काटा जा सकता।* (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) *अनुज प्रतिदिन दूसरों की मदद करता है।* (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) *इस गंदगी में मैं नहीं रह सकता।* (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर–

(क) उद्धव द्वारा ज्ञान का उपदेश दिया गया।

(ख) हरे-भरे पेड़ों को नहीं काट सकते।

(ग) अनुज द्वारा प्रतिदिन दूसरों की मदद की जाती है।

(घ) इस गंदगी में मुझसे नहीं रहा जाता।

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए– **1 × 4 = 4**

(क) *हम पार्क में गए परंतु वहाँ कोई बच्चा न मिला।*

(ख) *हम जीवन में सोचते कुछ हैं, परंतु होता कुछ और है।*

(ग) *ये बच्चे सुबह-शाम पार्क में व्यायाम करते हैं।*

(घ) *कृष्ण की सुंदर आकृति सबको मोह लेती है।*

उत्तर–

(क) **हम–** पुरुषवाचक सर्वनाम, प्रथम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) **परंतु–** समुच्चयबोधक अव्यय, व्यधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ता है।

(ग) **पार्क–** संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(घ) **सुंदर–** विशेषण, गुणवाचक, 'आकृति' विशेष्य, एकवचन।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के उत्तर लिखिए– **1 × 4 = 4**

(क) *निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए–*

अखिल भुवन चर अचर सब, हरि मुख में लखि मातु।
चकित भई गद्‌गद् वचन, विकसित दृग पुलकातु।

(ख) *'करुण रस' का एक उदाहरण लिखिए।*

(ग) *'शृंगार रस' का स्थायी भाव लिखिए।*

(घ) *'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है?*

(ङ) *रस की निष्पत्ति में किन तीन भावों का सहयोग होता है?*

उत्तर–

(क) अद्‌भुत।

(ख) यह मुरझाया हुआ फूल है, इसका हृदय दुखाना मत।
स्वयं बिखरने वाली इसकी, पंखुड़ियाँ बिखराना मत।

(ग) रति।

(घ) शांत।

(ङ) स्थायी भाव, अनुभाव, व्यभिचारी (संचारी) भाव।

खंड 'ग'

6. *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–* **2 × 3 = 6**

मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा। लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।)

इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धावनत हूँ।

(क) *गद्यांश में संन्यासी किसे कहा गया है और उसकी तुलना कैसे वृक्ष से और क्यों की गई है?*

(ख) *लेखक के मन में फ़ादर की स्मृति कैसी बनी रहेगी?*

(ग) *'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।' ऐसा लेखक ने क्यों कहा?*

उत्तर–

(क) इस गद्यांश में फ़ादर कामिल बुल्के को संन्यासी कहा गया है। उनकी तुलना फल-फूल गंध से भरे एक छायादार वृक्ष से की गई है।

क्यों- फ़ादर ने जीवन-भर अपने संपर्क में आए लोगों को स्नेह, अपनत्व और आत्मीयता दी। उन्होंने हिंदी भाषा के लिए अपनी जान लगा दी।

(ख) लेखक के मन में फ़ादर की स्मृति किसी यज्ञ की पवित्र अग्नि के समान आजीवन बनी रहेगी।

(ग) 'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है' इसलिए कहा गया है क्योंकि उनकी मृत्यु पर रोने वालों की गिनती करना बहुत कठिन है। असंख्य लोग फ़ादर की मृत्यु पर रो रहे थे।

7. निम्नलिखित में से *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

(क) बिस्मिल्ला खाँ शहनाई का घंटों रियाज़ करते थे। इससे विद्यार्थियों को क्या सीख ग्रहण करनी चाहिए और क्यों?

(ख) हालदार साहब द्वारा ड्राइवर को चौराहे पर न रुकने का निर्देश कब और किस विचार के कारण दिया गया था?

(ग) मन्नू भंडारी की ऐसी कौन-सी खुशी थी जो प्रथम स्वतंत्रता दिवस की खुशी में समाकर रह गई?

(घ) नवाब साहब द्वारा लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाने पर लेखक ने क्या किया?

(ङ) "'बालगोबिन भगत' अपनी सब चीज़ें साहब की मानते थे", उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

(क) बिस्मिल्ला खाँ भारत के सर्वोच्च शहनाईवादक होते हुए भी रोज घंटों अभ्यास किया करते थे। विद्यार्थियों को इस बात से सीख लेनी चाहिए कि वे सफल होने पर भी अभ्यास न छोड़ें। अभ्यास सबसे बड़ा गुरु है।

क्यों– निरंतर अभ्यास से ही हमारी कला और प्रतिभा में निखार आता है।

(ख) हालदार साहब को पता चला कि चश्मेवाला कैप्टन मर गया है। उन्होंने सोचा कि अब इस कस्बे के चौक पर लगी नेताजी की मूर्ति पर चश्मा नहीं होगा। यह सोचकर वे बेचैन हो उठे। उनका उस चौराहे पर जाने का और नेताजी की अधूरी मूर्ति देखने का मन ही नहीं हुआ। अत: उन्होंने अपने ड्राइवर को निर्देश दिया कि वह कस्बे पर जीप न रोके।

(ग) मन्नू भंडारी को स्वतंत्रता की लड़ाई में प्रेरणा देने वाली थीं– शीला अग्रवाल। सन् 1947 में कॉलेज की प्राचार्या ने उन्हें कॉलेज का माहौल बिगाड़ने के आरोप में नोटिस थमा दिया। इस पर बी.ए. थर्ड इयर की छात्राओं ने हंगामा किया। अगस्त में आकर प्राचार्य थक-हार गईं और उन्होंने थर्ड इयर की पढ़ाई शुरू करा दी। लेखिका के लिए यह बहुत बड़ी खुशी थी। परंतु 15 अगस्त, 1947 को भारत अंग्रेजों की दासता से मुक्त हो गया। यह खुशी शताब्दी की सबसे बड़ी खुशी थी। इस महान खुशी में कॉलेज की खुशी समा गई।

(घ) नवाब साहब द्वारा लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाने पर लेखक ने भी अपनी आँखें फेर लीं। उन्होंने भी बातचीत के लिए उत्साह नहीं दिखाया।

(ङ) 'बालगोबिन भगत' अपनी सारी चीज़ें साहब अर्थात परमात्मा की मानते थे। इसलिए उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर-भक्ति में ही लगा दिया था। वे अपने पुत्र के जन्म, बीमारी और मृत्यु को भी ईश्वर की इच्छा मानते थे। इसलिए उन्होंने पुत्र की मृत्यु पर शोक मनाने की बजाय उसका उत्सव मनाया। वे अपनी फसलों पर भी ईश्वर का अधिकार मानते थे। इसलिए सारी फसलें कबीर-मठ में ले जाते थे। वहाँ से जो प्रसाद रूप में वापस मिले, उसी को स्वीकार करते थे।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $2 \times 3 = 6$

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

प्रश्न–

(क) *माँ ने अपनी बेटी को आग के सदुपयोग की सीख कैसे और क्यों दी?*

(ख) *कवि ने वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम किसलिए कहा है?*

(ग) *'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।*

उत्तर–

(क) माँ ने अपनी बेटी को आग के सदुपयोग की सीख देते हुए कहा– बेटी आग से सावधान रहना। यह रोटियाँ सेंकने के लिए है,

जल मरने के लिए नहीं, उसने यह सलाह इसलिए दी क्योंकि ससुराल में बहू को जिंदा जलाने की घटनाएँ यहाँ-वहाँ दिखाई देने लगी थीं।

(ख) कवि ने वस्त्र और आभूषण को शाब्दिक भ्रम इसलिए कहा है क्योंकि जैसे शब्द वास्तविक स्थिति का भ्रम पैदा कर देते हैं, उसी प्रकार नई बहू के सुंदर वस्त्र और आभूषण भी उसके मन में सुखी होने का भ्रम पैदा कर देते हैं।

(ग) इसका आशय है – तुम लड़की जैसी भोली और भावपूर्ण तो बनी रहना किंतु व्यवहार में सावधान रहना। दूसरों को अपनी सरलता का लाभ न उठाने देना। इसलिए समझदारी से काम लेना।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। **2 × 4 = 8**

(क) लक्ष्मण ने अपने कुल की किस विशेषता का उल्लेख किया है? क्यों?

(ख) मिट्टी की उर्वरा शक्ति को कैसे बढ़ाया जा सकता है? 'फसल' कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) 'उत्साह' कविता में कवि ने बादल के किन रूपों की चर्चा की है? स्पष्ट करके लिखिए।

(घ) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' पंक्ति में कवि हमें किस यथार्थ एवं सत्य से अवगत कराना चाहता है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।

(ङ) 'संगतकार' कविता में संगतकार को त्याग की मूर्ति कैसे कहा जा सकता है?

उत्तर–

(क) लक्ष्मण ने अपने कुल की परंपरा का उल्लेख किया है। उनके कुल में गाय, ब्राह्मण, भक्त और देवता पर हथियार नहीं उठाया करते।

क्यों– परशुराम ब्राह्मण कुल के थे और बहुत उग्र थे। उन्होंने संयम की सारी मर्यादाओं का उल्लंघन करके राम और लक्ष्मण को कटु वचन कहे। इस पर लक्ष्मण क्रुद्ध हुए। तब उन्होंने परशुराम के सामने अपनी श्रेष्ठ कुल-परंपरा का बखान किया।

(ख) मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नदियों के पवित्र जल से, सूरज की किरणों से, हवा की थिरकन से और किसानों के परिश्रम भरे दुलार से बढ़ाया जा सकता है।

(ग) इस कविता में कवि ने बादल के तीन रूपों की चर्चा की है–

1. कल्पनाओं के समान घने, काले, सुंदर और घुमड़ते बादल।
2. नवउमंग और वज्र-शक्ति से भरपूर कविता जैसे बादल।
3. प्यासी धरती पर करुणा जल बरसाने वाले बादल।

(घ) इस पंक्ति से कवि यह बताना चाहता है कि हर सुख के पीछे एक दुख भी छिपा रहता है। जीवन में सुख और दुख दोनों हैं।

(ङ) 'संगतकार' मुख्य गायक का सहायक बनकर आता है। वह मुख्य गायक के स्वर को ऊँचाई, प्रखरता और सफलता प्रदान करने के लिए अपने-आपको खपा देता है। वाहवाही गायक की होती है, सहयोग संगतकार का होता है। एक प्रकार से वह मुख्य गायक का नाम और प्रभाव बढ़ाने के लिए स्वयं को अँधेरे में डुबो देता है। यह उसका सर्वोच्च त्याग है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। **3 × 2 = 6**

(क) 'माता का अंचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता इस पाठ की किस घटना में निहित है?

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर उस घटनाक्रम का उल्लेख कीजिए, जिसके कारण आपाधापी की स्थिति उत्पन हो गई थी। यदि आप सर्वोच्च पद पर होते तब आप ऐसी परिस्थिति का सामना कैसे करते?

(ग) भारत का स्विट्ज़रलैंड किसे कहते हैं और क्यों? 'साना-साना हाथ जोड़ि.....' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर–

(क) इस पाठ में साँप से छेड़खानी करने की घटना आती है। अचानक साँप को आया देखकर सारे बच्चे घबरा उठे और बेतहाशा अपने घरों की ओर दौड़े। इस भगदड़ में किसी का दाँत टूटा तो कोई भरभराकर गिर गया। लेखक भी डरा-डरा घर पहुँचा और जाकर माँ की गोद में छिप गया। उसके पिता ने उसे ढाढ़स बँधाने की कोशिश की किंतु उसने माँ की गोद को अधिक सुरक्षित समझा। तभी लेखक को पता चला कि माँ का अँचल कितना सुरक्षित होता है। यही कारण है कि इस पाठ का नाम 'माँ का अँचल' रखा गया।

(ख) स्वतंत्रता के बाद इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ अपने पति के संग भारत दौरे पर आने वाली थी। पूरा भारत रानी के स्वागत-सत्कार में डूबा हुआ था किंतु जार्ज पंचम की मूर्ति की नाक गायब थी। अब समस्या यह हुई कि रानी के सामने नकटी मूर्ति कैसे रखें? और नई नाक कहाँ से लाएँ? इस समस्या के कारण पूरे शासन-तंत्र में आपाधापी मच गई। ऊपर से नीचे तक सभी जार्ज पंचम की नाक लगाने के लिए जुट गए।

(ग) 'कटाओ' को भारत का स्विट्जरलैंड कहते हैं।

क्यों– 'कटाओ' के पहाड़ पूरी तरह बर्फ से ढके हुए हैं। उनका रंग हरा काला है। जिस पर बीच-बीच में बर्फ की सफेदी यों लगती हैं मानो किसी ने उस पर पाउडर छिड़क दिया हो और धूप के कारण वह पाउडर कहीं-कहीं छिटक गया हो।

खंड 'घ'

11. निम्नलिखित में से *किसी एक* विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए: 10

(क) सिकुड़ते वन : बिगड़ते पर्यावरण

- सिकुड़ने के कारण
- पर्यावरण संतुलन के लिए
- समाधान

(ख) सिनेमा और युवा पीढ़ी

- मनोरंजन के साधन
- युवाओं में बढ़ता फैशन
- अपराध और अश्लीलता

(ग) नैतिक मूल्यों के उत्थान में शिक्षा की भूमिका

- शिक्षा का सही उद्देश्य
- शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्य
- नैतिक मूल्यों में गिरावट

उत्तर–

(ग) नैतिक मूल्यों के उत्थान में शिक्षा की भूमिका

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मनुष्य में अच्छे, सच्चे और दिव्य को विकसित करना है ताकि दुनिया में एक नैतिक जीवन स्थापित किया जा सके। यह अनिवार्य रूप से एक आदमी को पवित्र, परिपूर्ण और सच्चा बनाना चाहिए। मानवता का कल्याण न तो वैज्ञानिक या तकनीकी प्रगति में है और न ही भौतिक सुख-सुविधाओं के अधिग्रहण में है। शिक्षा का मुख्य कार्य चरित्र को समृद्ध करना है। आज हमें किसी भी चीज से ज्यादा जरूरत है नैतिक साहस, बौद्धिक अखंडता और मूल्यों की भावना पर आधारित नैतिक नेतृत्व की।

चूंकि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन और मानव प्रगति का एक शक्तिशाली साधन है, इसलिए यह एक व्यक्ति में मूल्यों की खेती करने का एक शक्तिशाली उपकरण भी है। इसलिए सभी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के माध्यम से मूल्यों की शिक्षा और खेती करने की अधिक जिम्मेदारी है।

- मूल्यों को विकसित करने के लिए कई शिक्षाविदों ने विभिन्न विचारों का सुझाव दिया है जैसे कि–
- मूल्य आधारित पाठ्यक्रम का प्रावधान
- शिक्षकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम डिजाइन करना।
- मूल्य आधारित आधार पाठ्यक्रम
- मूल्यों पर आधारित साहित्य का प्रकाशन
- शिक्षकों और छात्रों के लिए आचार संहिता विकसित करने की आवश्यकता।
- शिक्षकों और छात्रों के बीच जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण का समावेश।
- नई पीढ़ियों के बीच मूल्यों को विकसित करने के लिए हम अपनी संचित सांस्कृतिक विरासत से एक पाठ्यक्रम डिजाइन करना चाहते हैं।

12. बाढ़ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए विद्यालय के छात्रों से धन एवं कपड़े एकत्रित करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

पी. वी. सिंधु ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया। उसे एक बधाई पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर–छात्रों से धन एवं कपड़े एकत्रित करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र

सेवा में

प्राचार्य

क.ख.ग. विद्यालय

देहरादून

विषय: बाढग्रस्त लोगों की सहायता

श्रीमान जी

सविनय निवेदन है कि हम बाढ़ग्रस्त बच्चों की सहायता के लिए अपने ही छात्रों से धन एवं कपड़े एकत्र करना चाहते हैं। इसके लिए हमने दस बच्चों का 'बाढ़-पीड़ित सहायता दल' बनाया है। हम प्रात: विद्यालय आरंभ होने से पहले 7 से 8 बजे और अवकाश के बाद 2 से 3 बजे तक छोटे सभागार में बैठने और सहायता सामग्री रखने की अनुमति चाहते हैं।

आपसे निवेदन है कि आप हमें अनुमति प्रदान करें।

भवदीय
आलोक मल्होत्रा
प्रमुख, बाढ़ पीड़ित सहायता दल
अनुक्रमांक 343, दशम 'A'
दिनांक 13.09.2021

13. आपके शहर में 'विश्व पुस्तक मेले' का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

'पल्स पोलियो' अभियान हेतु जागरूकता लाने के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर–

पोलियो-मुक्त भारत!

अपंगता से बचें, सावधान रहें।
अपने नन्हे-मुन्नों को विकलांगता और पोलियो से बचाने के लिए
पोलियो-पल्स अवश्य पिलवाएँ।
आपकी एक सावधानी हजार खतरों पर भारी पड़ेगी।
अपने नज़दीक के अस्पताल से संपर्क करें और
बच्चों को पोलियो-पल्स अवश्य पिलाएँ!!